नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

साइबर अपराध ; सुप्रीम कोर्ट की चिंता का संज्ञान लें

भारत में तेजी से बढ़ते सायबर अपराधों ने अब केवल व्यक्तिगत नुकसान की सीमा पार नहीं की है, बल्कि यह राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक विश्वास के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में व्यक्त की गई चिंता इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश की न्यायिक चेतना इस संकट को साधारण धोखाधड़ी नहीं, बल्कि संगठित लूट और डकैती के रूप में देख रही है. यह दृष्टि न केवल उचित है, बल्कि समय की मांग भी है.

इंटरनेट के विस्तार ने नागरिकों को सुविधा दी है, लेकिन इसी सुविधा का दुरुपयोग कर अपराधियों ने एक नया भय पैदा किया है, जिसे आम भाषा में आभासी गिरफ्तारी कहा जा सकता है. भय, भ्रम और अधिकार के नकली प्रदर्शन के सहारे लोगों से जीवन भर की कमाई निकलवा ली जाती है. लगभग चौवन हजार करोड़ रुपये की ठगी यह साबित करती है कि यह अपराध कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित तंत्र बन चुका है. सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि इतनी बड़ी राशि कई राज्यों के वार्षिक बजट से अधिक है, व्यवस्था को झकझोरने वाला सत्य है.

न्यायालय का पहला निर्देश कि गृह मंत्रालय चार सप्ताह के भीतर मानक कार्यप्रणाली तैयार करे, अत्यंत आवश्यक है. अभी तक विभिन्न संस्थाएं अपने-अपने नियमों के अनुसार काम कर रही थीं, जिससे अपराधियों को कानूनी खामियों का लाभ मिलता रहा. एक एकीकृत कार्यप्रणाली, जिसमें बैंकिंग व्यवस्था और दूरसंचार तंत्र दोनों के स्पष्ट दायित्व तय हों, जांच और रोकथाम को प्रभावी बनाएगी. समझौता ज्ञापन का प्रस्ताव यह सुनिश्चित करेगा कि संस्थागत समन्वय केवल कागजों तक सीमित न रहे.

बैंकों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है. बैंक केवल लाभ कमाने वाली संस्थाएं नहीं, बल्कि जनता की जमा पूंजी के संरक्षक हैं. यदि कोई बुजुर्ग या पेंशनभोगी अचानक असामान्य रूप से बड़ी राशि निकालता है, तो यह केवल लेनदेन नहीं, एक चेतावनी होनी चाहिए. एआई आधारित निगरानी प्रणाली के उपयोग का निर्देश भविष्य की सुरक्षा की दिशा में ठोस कदम है. इससे धोखाधड़ी होने से पहले ही उसे रोका जा सकता है. साथ ही, बैंक अधिकारियों की लापरवाही या संलिप्तता पर कठोर दंड की बात यह स्पष्ट करती है कि जवाबदेही अब टाली नहीं जा सकती.

पीड़ितों के लिए मुआवजा ढांचे की बात न्याय की मानवीय आत्मा को दर्शाती है. अक्सर देखा गया है कि ठगी के बाद पीड़ित न केवल आर्थिक रूप से टूटता है, बल्कि लंबी कानूनी प्रक्रिया से मानसिक रूप से भी थक जाता है. भारतीय रिजर्व बैंक और दूरसंचार विभाग को संयुक्त रूप से मुआवजा व्यवस्था बनाने का निर्देश यह स्वीकार करता है कि गलती केवल पीड़ित की नहीं होती, बल्कि प्रणाली की भी होती है.

जांच की जिम्मेदारी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपना और राज्यों को शीघ्र अनुमति देने का निर्देश इस अपराध की राष्ट्रीय प्रकृति को स्वीकार करने जैसा है. आभासी दुनिया में सीमाएं नहीं होतीं, इसलिए जांच एजेंसियों को भी सीमाओं से मुक्त होकर काम करना होगा. इसके साथ ही उच्च स्तरीय अंतर-विभागीय समिति का गठन यह संकेत देता है कि सरकार भी इस खतरे को गंभीरता से ले रही है.

कुल मिलाकर, सर्वोच्च न्यायालय की चिंता और उसके निर्देश न केवल उचित हैं, बल्कि देर से उठाया गया आवश्यक कदम हैं. यदि इन्हें ईमानदारी से लागू किया गया, तो सायबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और नागरिकों का भरोसा दोबारा मजबूत होगा. न्यायपालिका ने दिशा दिखा दी है, अब जिम्मेदारी कार्यपालिका और संस्थानों की है कि वे इस भरोसे को टूटने न दें.

राजनीति के अजातशत्रु थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय

डॉ. विनोद मिश्रा

भारतीय जनता पार्टी का ध्येय समाज- देश सेवा ङ्क जनसंघ से लेकर भा.ज.पार्टी तक हमारा मूल ध्येयभाव समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा है. पं. अटल बिहारी जब देश के प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने परमाणु परीक्षण समेत, कश्मीर में चुनाव, किसानों पर बजट की 60 प्रतिशत से ज्यादा खर्च, अधोसंरचना का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान कर गठबंधन की सरकार को चलाकर देश को संदेश दिया कि समन्वय से भी व्यवस्थायें संचालित होती है. 2014 से माननीय नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं यथा - जनधन योजना, सौभाग्य योजना, उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, स्टार्ट अप, मेक इन इंडिया समेत ऐतिहासिक निर्णय लिये इसमें धारा 370 की समाप्ति, नागरिकता संशोधन कानून, तीन तलाक की समाप्ति, श्रम कानून (संशोधन), न्यायालय के माध्यम से रामजन्मभूमि का शांतिपूर्ण समाधान, सर्जिकल स्ट्राइक, विदेशी नीति की सफलता ऐसे विषय हैं जो मील का पत्थर बन गये हैं. पं. दीनदयाल जी के चरैवेति एवं अन्त्योदय के विषय को आत्मसात कर भारतीय जनता पार्टी अपने सामाजिक परिवर्तन के उद्देश्य पर सतत् चल रही है. आज 11 फरवरी को पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर हम उनके प्रति नतमस्तक हैं उन्होंने विचार एवं विचार तारा का जो मंत्र दिया, वह हमारी शक्ति एवं साहस है. आइये संकल्प लें कि हम उस महामानव, अजातशत्रु के मार्गों का अनुसरण हमेशा करते रहेंगे.

सन् 1964 की बात है. जनवरी-फरवरी के दौरान मद्रास में हिन्दी के विरोध में व्यापक हिंसक घटनायें हो रही थी. पं. दीनदयाल उपाध्याय जी उन इलाकों का दौरा करने के बाद लौटे. बम्बई (मुंबई) में उनकी प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. उस प्रेस वार्ता में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा कि देश की अखंडता सबसे बड़ी जरूरत एवं आवश्यकता है . देश को गृह युद्ध का खतरा उठाकर भी भाषायी दंगों को दबा देना चाहिये . इस जवाब को सुनकर एक मराठी पत्रकार जो संभवत: ईसाई थे तथा अंग्रेजी समर्थक थे. उन्होंने कहा कि पंडित जी यह आप क्या कह रहे हैं ? आप देश को गृह युद्ध का परामर्श दे रहे हैं. क्या आपके वक्तव्य को छाप दिया जाये ? तो पंडित दीनदयाल जी ने निर्भिकता से कहा कि हां मैने जैसा कहा, आप वैसा ज्यों का त्यों छाप दीजिये क्योंकि देश की अखंडता, देश की एकता, ज्यादा महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है. इसे बचाने के लिये गृहयुद्ध का खतरा भी उठाना पडे तो उठाना चाहिये . परंतु भाषायी दंगे, उपद्रवों को कठोरता से खत्म कर देना चाहिये. महोदय, आप मेरा वक्तव्य समाचार पत्र में छाप सकते हैं ? ऐसे थे पं. दीनदयाल जी.

मैने इस विषय की 5 पुस्तकें पढ़ी हैं ? - पं. दीनदयाल जी अत्यन्त मेधावी थे तथा अध्ययन में व्यापक रूचि थीं वे सामान्यत: तृतीय श्रेणी तथा पैसेंजर में सफर करते थें ताकि लिखने-पढने का ज्यादा से ज्यादा समय मिल सकें एक बार उन्होंने पंचवर्षीय योजना पर पुस्तक लिखने का विचार किया तो उन्होंने प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) से परामर्श किया. तब रज्जू भइया ने प्रतिप्रश्न किया एवं कहा कि आप तो अर्थशास्त्र के छात्र नहीं रहे फिर कैसे लिखेंगे ? पं. दीनदयाल जी का जवाब सुनकर रज्जू भइया चकित रह गये . उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल जी ने बतलाया कि इस विषय पर लिखने के पूर्व उन्होंने अर्थशास्त्र से संबंधित छोटी बडी सभी उच्चकोटि की लगभग 500 पुस्तकों का अध्ययन किया है. इससे एक बात स्पष्ट होती है कि वे बिना अध्ययन के किसी भी विषय पर न तो बोलते थे, न लिखते थें वर्तमान में तो कुछ ऐसे व्यक्ति हैं जो विषय पर अधिकार न होते हुये भी बोलते हैं अध्ययन तो दूर की बात है .

वे स्वयं पीछे-पीछे चलेंगे...? दूसरे आम चुनाव 1957 के बाद पं. दीनदयाल जी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे तथा एक कार्यकर्ता ने प्रश्न किया कि मुसलिम समाज को कैसे जनसंघ की ओर आकर्षित किया जावे ? तब पं. दीनदयाल जी ने कहा कि यह वर्ग हमेशा सत्ता के पीछे चलता है. अभी कांग्रेस सत्ता में है तो कांग्रेस के साथ है. यदि आप शक्ति में वृद्धि करेंगे तो यह आपके साथ आ जायेगा. अत: आप शक्ति को प्राप्त कीजिये. बाकी काम स्वत: हल हो जायेंगे . पुन: एक कार्यकर्ता ने कहा पंडित जी एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं. यदि हिंदू - मुसलमान मिल जायेंगे तो ग्यारह हो जायेंगे. हमें ऐसा प्रयास करना चाहिये. तब पंडितजी ने कहा कि एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं लेकिन एक और आधा मिलकर ग्यारह हो सकते हैं ? एक और चौथाई मिलकर ग्यारह हो सकते हैं ? कदापी नहीं. उन्होंने कहा कि जिस दिन हिन्दू समाज संगठित हो जायेगा वे स्वयं आपसे मिलकर ग्यारह कर देंगे. आप शक्ति का संग्रह करो, शेष स्वयं हो जायेगा .

पाले पोसे सकल अंग, तुलसी सहित .....? - पं. दीनदयाल जी का व्यक्तित्व अत्यन्त विराट एवं सरल था जो जनसंघ का प्रत्येक कार्यकर्ता महसूस करता था. वे वास्तव में परिवार के मुखिया के रूप में सभी से स्नेह रखते थे तथा ध्यान भी देते थें एक बार पं. अटल बिहारी बाजपेयी पंजाब के प्रवास से लौटे तथा दिल्ली कार्यालय पहुँच कर घोषणा की कि वे अब प्रवास पर नहीं जायेंगे. शायद प्रवास में कष्ट हुआ होगा अथवा कार्यकर्ताओं ने परेशान किया होगा. सभी पदाधिकारी स्तब्ध ? सभी सोच रहे थे कि अब पंडित जी क्या करेंगे. शायद उन्हें डांटे ? परंतु दीनदयाल जी ने सरलता से कहा अच्छा भाई आप दौरे मत करना, आप प्रवास से आये हैं आप थके हैं आप स्नान इत्यादि कीजिये, इसके बाद आराम पं. अटल जी स्नान कर लौटे तो पं. दीनदयाल जी ने रोटी सब्जी स्वयं बना दी एवं स्वयं बैठकर भोजन कराया. परिणामस्वरूप अटलजी ने मुस्कराते हुये कहा वे प्रवास करेंगे.

कुलगुरु रानी अवंती बाई लोधी विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)

दिल्ली डायरी

किताबी पन्नों के सहारे एक-दूसरे पर हमलावर पक्ष-विपक्ष

प्रवेश कुमार मिश्र

संसद के बजट सत्र के दौरान सदन के अंदर व बाहर का माहौल गर्म है. किताबी पन्नों की आड़ में परंपराओं व मर्यादाओं को तोड़ने का जिस तरह से प्रयास हो रहा उसको लेकर ज्यादातर सांसद परेशान दिख रहे हैं. चर्चा है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा जिस कथित अप्रकाशित पुस्तक का जिक्र कर सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया था उसके जवाब में सुनियोजित रणनीति के तहत भाजपा सांसद निशिकांत दूबे ने स्वतंत्र लेखकों द्वारा लिखी गई कई पुस्तकों को आधार बनाकर कई पूर्व प्रधानमंत्रियों से जुड़े विषयों को उठाकर माहौल को अलग रूख की ओर मोड़ने का प्रयास किया है. कांग्रेस समेत विपक्षी सांसदों का आरोप है कि सदन के अंदर सभी के लिए एक नियम का अनुपालन नहीं किया गया है. इसके अलावा भी कई प्रकाशित व अप्रकाशित रिपोर्ट व पुस्तकों के सहारे हमले की धार तेज होती जा रही है.

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को लेकर मतांतर

बजट सत्र के दौरान संसद में जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस की अगुवाई में इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दलों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की चर्चा जोरों पर है. हालांकि इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दलों द्वारा इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया जा रहा है जिसके कारण सरकार पर दबाव बनाने वाली कथित विपक्षी एकजुटता की आरंभ में ही हवा निकल रही है. वैसे भी कहा जा रहा है कि संख्याबल में कमजोर होने के बावजूद राजनीतिक संदेश देने के लिए ऐसा करने की योजना बनाई जा रही है. हालांकि राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर गंभीर चर्चा हो रही है कि क्या सदन के अंदर विपक्षी महिला सांसदों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को कथित तौर पर खतरा था ? या इस तरह की बातें राजनीतिक उद्देश्य से फैलाई गई ?

इंडिया गठबंधन में शामिल दलों का होने लगा मोहभंग

क्या विपक्षी दलों का समूह इंडिया गठबंधन अब अपनी अंतिम सांस गिन रहा है ? क्या राजनीति में फिर एक नए गठबंधन का उदय होने वाला है ? जैसे सवाल इन दिनों दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए है. कहा जा रहा है कि समय रहते यदि कांग्रेस की ओर से इंडिया गठबंधन को बचाने या एकजुट रखने का प्रयास नहीं किया गया तो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी, टीएमसी, टीआरएस, एनसीपी, शिवसेना उद्धव गुट, नेशनल कांफ्रेंस,बसपा या सपा, झामुमो, जनसुराज पार्टी जैसी पार्टियां एक नए नामकरण के साथ तीसरे मोर्चे का गठबंधन कर लेगी.

एसआईआर को लेकर चली बहस में ममता बनी वकील

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर को पूरा करने के प्रयास को राजनीतिक बताते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरंभिक दिनों से मोर्चाबंदी की है. लेकिन जब मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा तो ममता ने खुद को आगे लाकर इस विषय पर हो रही बहस में शिरकत करते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया. हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने इसमें हस्तक्षेप नहीं करने का निर्णय दिया है. फिर भी राजनीतिक गलियारों में ममता बनर्जी की बहस की चर्चा हो रही है. ज्यादातर लोग इसके राजनीतिक पक्ष को आधार बनाकर कह रहे हैं कि ममता अपने वोटबैंक को साधने के लिए हरेक मोर्चे पर लड़ने की कोशिश कर रही हैं ताकि चुनावी जंग में इस विषय पर वोटरों के बीच बहस हो सके.

जीएम पशुचारा हानिकारक तो नहीं !

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने आश्वस्त किया है कि अमेरिका से व्यापार समझौते में इस बात का ध्यान रखा गया है कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवांशिक रूप से संशोधित यानी जीएम उत्पादों को अनुमति नहीं दी जाएगी. यह एक बड़ा महत्वपूर्ण निर्णय है. इसमें भारतीय कृषि की शुद्धता बनी रहेगी तथा हमारी मिट्टी व बीज सुरक्षित रहेंगे. इसी तरह सब्जी, डेयरी प्रोडक्ट व मसालों को भी आयात नहीं किया जाएगा. इस तरह भारत का किसान सुरक्षित रहेगा. कृषि मंत्री का कथन अपनी जगह है लेकिन अमेरिका ने कहा है कि भारत जीएम फसलों के प्रति अपना पूर्वाग्रह छोड़े और पोषण की दृष्टि से उनके लाभ को देखे.

विश्व के औद्योगिक देशों ने जेनेटिकली मॉडिफाइड या जीएम फसलों को अपनाया है. अमेरिका में ऐसी फसल ज्यादा पैदावार देती है. भारत में यह मान्यता है कि जीएम फसलें पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं तथा इनको बढ़ावा देने से फसलों के मूल या असली बीज नष्ट हो जाते हैं. जीएम फसल के लिए हर बार नया बीज खरीदना पड़ता है. भारत में बीटी कॉटन का इसीलिए विरोध हुआ था. अब यह दलील दी जा रही है कि जीएम फसलों की उपयोगिता के बारे में राजनेता नहीं बल्कि वैज्ञानिकों को फैसला करना चाहिए. जीएम फसलों पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगाने से भारतीय कृषि अन्य देशों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रही है तथा जमीन और जलस्रोतों पर दबाव आ रहा है.

बायोटेक्नोलॉजी की इस उपलब्धि को वैज्ञानिक आधार पर स्वीकार किया जाना चाहिए. लोगों को यह तय करने का मौका दिया जाना चाहिए कि वह जीएम फसलें चाहते हैं या नहीं. इस पर प्रयोग कर देखने में हर्ज नहीं है. दूसरी ओर तथ्य यह है कि जीएम पशुखाद्य का आयात करने के लिए भारत तैयार हो गया है. इसमें शराब निर्माताओं का सुखाया हुआ अनाज व सोल्यूबल्स (डीडीजीएस) भारतीय बाजार में आएंगे.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

संघ की वजह से बीजेपी के अच्छे दिन नहीं तो उसकी राह थी कठिन

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने साफ-साफ कहा कि बीजेपी के अच्छे दिन संघ की वजह से आए. ऐसा बिल्कुल मत समझना कि बीजेपी के कारण संघ के अच्छे दिन आए हैं. हमने कहा, भागवत को यह समझाने की जरूरत क्यों आन पड़ी ? सभी जानते हैं कि असली वटवृक्ष आरएसएस है और बीजेपी उस वृक्ष की एक डाल ! संघ के स्वयंसेवकों की संगठनशक्ति ही असली ताकत है. आरएसएस ने पहले 1951 में जनसंघ बनाया जिसके अध्यक्ष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी थे. संघ ने 1977 में समाजवादियों व पूर्व कांग्रेसी नेताओं का तालमेल जमाकर जनता पार्टी बनाई. जब दोहरी सदस्यता के मुद्दे पर समाजवादी नेता मधु लिमये और राजनारायण से टकराव आ गया तो वाजपेयी, आडवाणी जैसे नेताओं ने आरएसएस के प्रति अपनी गहरी निष्ठा के कारण 1980 में बीजेपी बना ली थी.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, बात अच्छे दिनों की हो रही है. भागवत का दावा है कि राम मंदिर आंदोलन में स्वयंसेवकों के कठिन परिश्रम से अच्छे दिन आए.

हमने कहा, अच्छे दिन की अभिलाषा किसे नहीं रहती ? 2004 के लोकसभा चुनाव में लालकृष्ण आडवाणी ने अच्छे दिन आएंगे और इंडिया शाइनिंग का नारा दिया था. इस समय ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएई, यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते होने को मोदी सरकार अच्छे दिन मान रही है.

सामान्य व्यक्ति अखबार में राशि भविष्य पढ़कर पता लगाता है कि उसके लिए दिन अच्छा है या नहीं ! एक भजन के बोल हैं- सब दिन होत ना एक समान ! अच्छे दिन की कामना से विदेश में लोग एक-दूसरे को गुड डे कहते हैं. ठंड के मौसम में दिन छोटे होते हैं और गर्मी में बड़े ! उत्तरी ध्रुव में 6 महीने का दिन और 6 महीने की रात होती हैं. फिल्मों के नाम में भी दिन रहता है जैसे कि आए दिन बहार के, नया दिन नई रात. फिल्म दि गाइड का गीत था- दिन ढल जाए हाय रात न जाए, तू तो न आए तेरी याद सताए. व्यक्ति प्रसन्न व आशावादी रहे तो उसके लिए हर दिन अच्छा हो सकता है. चुनाव के समय मुफ्त की खैरात मिलने से गरीब वोटर के अच्छे दिन आ जाते हैं.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12168

-डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. साथ जीने वाला, पुनर्जीवित करने वाला 4. औलाद, संतति, बाल-बच्चे 5. छिद्र, बिल, दरार 6. संकीर्ण, विस्तार में कम 7. लकड़ी का एक प्रकार का तीर जो फेंकने पर फिर से वापस आ जाता है (अं.) 9. सौ हजार 12. युद्ध, लड़ाई 14. भारत के एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री 15. एशिया का एक प्रसिद्ध देश 16. अविरल, ठोस 18. प्रार्थना 19. एड़ी के ऊपर निकलती हुई हड्डी की गांठ

ऊपर से नीचे

1. वह विधान या कानून जिसके अनुसार किसी राष्ट्र या संस्था का संगठन, संचालन तथा व्यवस्था होती है 2. आत्मा, प्राण, प्राणी 3. वधू द्वारा वर को पहनाई जाने वाली माला 4. वह स्थान जहां दो नदियां मिलें, मेल 6. खेमा, शामियाना 8. दुखी, शोकमग्न (उर्दू) 10. पोस्त का दाना 11. कद्र करने वाला (उर्दू) 13. श्मशान 17. नाखून

Solution 12167

शा	ल	ग्रा	म		ऊ	स	र
प		ह	ठ	ध	र्मि	ता	
	पं	क		र्म		ना	द
गं	डा		कं				शा
त	ल	ह	टी		कं	ग	न
व्य		क	ला	कं	द		न
	खु			स	रा	य	
का	ला	पा	नी			मी	ठा

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में स्त्री पक्ष से नवीन समाचारों की प्राप्ति होगी. सुख प्राप्त होगा. नवीन मित्र से भेंट होगी. व्यापार के क्षेत्र में यात्रा की रूपरेखा बनेगी. वर्ष के प्रारंभ में शासन सत्ता का लाभ प्राप्त होगा. शिक्षा में रूचि रहेगी. मित्रों एवं भाईयों के सहयोग से राजनीतिक लाभ प्राप्त होगा. वर्ष के अन्त में भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना पडेगा. व्यर्थ के वाद विवाद एवं मतभेद बढेंगे.

मेष ओर वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा. शिक्षा में रूचि रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद हो सकता है. शिक्षा में व्यवधान के कारण मानसिक परेशानी होगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को मित्र एवं भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ होगा. व्यापार के क्षेत्र में यात्रा का योग है. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्र से भेंट होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गंभीर, उदार, एवं दृढ़ निश्चयी होगा. स्वाभाव मिलनसार एवं हंसमुख रहेगा. इनकी स्मरण शक्ति अच्छी होती है. भाग्यशाली आकर्षक व्यक्तित्व का होगा. दूसरों को अपनी ओर प्रभावित करने की इनमें क्षमता होती है.

उदयकालीन ग्रह चाल

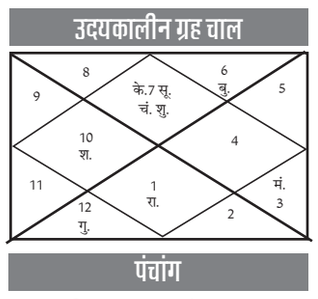

पंचांग

रा.मि. 22 संवत् 2082 फाल्गुन कृष्ण नवमीं बुधवासरे दिन 9/24, अनुराधा नक्षत्रे दिन 10/36, व्याघात योगे रात 2/22, गर करणे सू.उ. 6/28, सू.अ. 5/32, चन्द्रचार वृश्चिक, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

त्यापार भविष्य

फाल्गुन कृष्ण नवमीं को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा, गुड़ खांड, चीनी, ज्वार, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. सरसों, तिल, गेहूँ, घी, के भाव में नरमी का रूख रहेगा. वायदा विचार आज जिस वस्तु के भाव टूटें, उसी में मंदी होगी. भाग्यांक 2611 है.

मेष- मांगलिक कार्यों में व्ययभार होगा. मान सम्मान प्राप्त होगा. भाई बंधुओं का सुख यथेष्ठ सहयोग प्राप्त होगा. पराक्रम पुरूषार्थ बना रहेगा.

वृषभ- श्रम एवं प्रयास से सफलता मिलेगी. सामाजिक कार्यों में यश प्राप्त होगा. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करें. खानपान पर ध्यान रखें.

मिथुन-धनु जायजाद प्रापर्टी आदि के कार्यों में व्यवधान होगा. अनावश्य खर्च से आपका बजट बिगड़ सकता है. मित्रता उपयोगी सिद्ध होगी.

कर्क- राजकीय कार्यों में खर्च होगा. अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा. आपकी जबावदारी से परिवर्तन आ सकता है. सुख, संयम यश मिलेगा.

सिंह- संतान पक्ष की चिन्ता रहेगी. आर्थिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. साहस, संयम पराक्रम बना रहेगा.

कन्या- आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी. दूर दराज की यात्रा में सावधानी बरतें. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा. साहस बढ़ेगा.

तुला- कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफलता प्राप्त होगी. नवीन कार्योंमें लाभदायक अवसर प्राप्त होगा. महत्वाकांक्षी योजना बनेगी. लाभ प्राप्त होगा.

वृश्चिक- आय एवं व्यय की अधिकता रहेगी. गुप्त शत्रुओं से चिन्ता रहेगी. अपमान एवं तनाव से बचें. धन प्राप्त होने का अवसर मिलेगा. साहस रखें.

धनु- जीवनसाथी का सहयोग रहेगा. व्यवसायिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. भ्रमण मनोरंजन, आमोद प्रमोद के सुख प्राप्त होंगे. संयम से कार्य करें.

मकर- दिनचर्या नियमित रहेगी. इच्छानुसार कार्य बनेंगे. प्रिय व्यक्ति की भेंटवार्ता होगी. लाभदायक अवसर प्राप्त होगा. पराक्रम बना रहेगा.

कुंभ- पारिवारिक समस्या का समाधान होगा. खानपान पर नियंत्रण रखें. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी. मांगलिक कार्यो का लाभ मिलेगा.

मीन- मित्र समागम से लाभ होगा. पारिवारिक विवादों को टालें. कुटुम्बियों से संतुलित संभाषण हितकर रहेगा. यश प्राप्त होने का योग है.

SUDOKU 7300

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7299

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4